INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RRB

रेलवे ग्रुप – D

(Railway Recruitment Board (RRB))

भाग – 2

सामान्य जागरूकता (GK)

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स **"RRB रेलवे ग्रुप – D"** को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को **रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"RRB रेलवे ग्रुप – D** में सफलता पाने के लिए पूर्ण संभव मदद करेंगे।

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : https://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/s9icq9

Online Order करें - https://bit.ly/group-d-notes

मूल्य : (₹)

संस्करण : नवीनतम

क्र. सं.	अध्याय	पेज नं.
	संविधान	
1.	संविधान का विकास	1
2.	संविधान निर्माण	3
3.	संविधान की विशेषताएं	5
4.	संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र	8
5.	नागरिकता	9
6.	मौलिक अधिकार	10
7.	राज्य के नीति निदेशक तत्व	12
8.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	14
9.	भारतीय संसद (विधायिका)	17
10.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	23
11.	उच्चतम न्यायालय	24
12.	राज्य कार्यपालिका	25
13.	मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल	27
14.	उच्च न्यायालय	32
15.	पंचायती राज	34
16.	निर्वाचन आयोग	38
17.	नीति आयोग	39
18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	40
	इतिहास	
	प्राचीन भारत का इतिहास	
1.	हड़प्पा सभ्यता	41
2.	वैदिक सभ्यता	44
3.	धार्मिक काल	47
4.	महाजनपद काल	52
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	53
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	56
7.	कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	58

	मध्यकालीन भारत	
1.	अरब आक्रमण	60
2.	दिल्ली सल्तनत	62
3.	भक्ति एवं सूफी आंदोलन	71
4.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	74
5.	मुगल साम्राज्य (1526 - 1707 ई.)	76
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	84
2.	मराठा साम्राज्य	89
3.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	91
4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन	97
5.	राष्ट्रीय आंदोलन	101
6.	गाँधी युग और असहयोग आंदोलन	104
7.	क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक	109
	भारतीय संस्कृति	
1.	भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्तक	112
2.	भारतीय चित्रकला	114
3.	भारतीय नृत्य कलाएँ	116

	भूगोल	
1.	परिचय	118
2.	भौतिक विभाजन	120
3.	नदियाँ एवं झीलें	125
4.	जलवायु	130
5.	कृषि	131
6.	मृदा / मिट्टी	137
7.	प्राकृतिक वनस्पतियाँ	139
8.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	141
9.	उद्योग (Industry)	145

10.	परिवहन तंत्र	149
	विश्व भूगोल	153
	• ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल	
	• एशिया की प्रमुख नदियां	
	• एशिया की प्रमुख जल संधियां	
	• अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख पर्वत एवं पठार	
	• पर्वत (Mountains) एवं पठार	
	• विश्व के प्रमुख महासागर और सागर	
	अर्थशास्त्र	
	भारतीय अर्थव्यवस्था	
1.	अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ	171
2.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	173
3.	मुद्रा एवं बैंकिंग	174
4.	बजट एवं बजट निर्माण	176
5.	कर	179
6.	केंद्र सरकार की योजनाएँ	180
	विविध	
	• महत्वपूर्ण दिवस	
	• विश्व के प्रमुख देश, राजधानी एवं उनकी मुद्राओं की सूची	
	• पुस्तक एवं लेखक	
	• भारत में विभिन पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति	
	• विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय	
	• भारत के प्रमुख खेल	
	• राष्ट्रीय खेल पुरस्कार	
	• भारत में विश्व धरोहर स्थल	
	• भारत के राज्यों के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल	
	• भारत के राजकीय पशु पक्षी , वृक्ष और फूल की सूची	
	• भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य	
	• केन्द्रीय मंत्रियों की सूची	

	• राज्यों की राजधानी और स्थापना दिवस	
	• केंद्र शासित प्रदेश केंद्र शासित प्रदेशों और उनकी राजधानियों की सूची : Union	
	• शहरों / अभियानों के परिवर्तित नाम	
	• भौगोलिक संकेत (GI Tags) प्राप्त उत्पाद	
	• भारत में रामसर आर्द्रभूमियाँ	

राजव्यवस्था

अध्याय – I

संविधान का विकास

- **भारत का संवैधानिक विकास**

ईस्ट इंडिया कंपनी के अंतर्गत	ब्रिटिश क्राउन के अंतर्गत
रेग्युलेटिंग एक्ट -1773	भारत शासन अधिनियम-1858
पिट्स इंडिया एक्ट-1784	भारत परिषद् अधिनियम-1861
चार्टर एक्ट-1793	भारत परिषद् अधिनियम-1892
चार्टर एक्ट-1813	भारत परिषद् अधिनियम-1909
चार्टर एक्ट-1833	भारत शासन अधिनियम-1919
चार्टर एक्ट-1853	भारत शासन अधिनियम-1935
	भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम-1947

कम्पनी का शासन [1773 से 1858 तक]

- भारत में ब्रिटिश 1600 ई. में ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में व्यापार करने आये।
- महारानी एलिजाबेथ प्रथम के चार्टर द्वारा उन्हें भारत में व्यापार करने के विस्तृत अधिकार प्राप्त थे।

1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्ट

- इस अधिनियम द्वारा बंगाल के गवर्नर को 'बंगाल का गवर्नर जनरल कहा गया।
- इसके द्वारा मद्रास एवं बंबई के गवर्नर 'बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन हो गये।
- इसके अन्तर्गत कलकत्ता में 1774 ई. में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई।
- इसके द्वारा ब्रिटिश सरकार का 'कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स' के माध्यम से कंपनी पर नियंत्रण सशक्त हो गया।
- बंगाल का पहला गवर्नर जनरल लॉर्ड वॉरेन हेस्टिंग्स थे।
- कलकत्ता सर्वोच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश 'एलिजा इम्पे' थे।

1781 ई. का एक्ट ऑफ सेटलमेंट -रेग्युलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के लिए इस एक्ट को लाया गया।

- इस एक्ट के अनुसार कलकत्ता की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का आधिकार दिया गया।

1784 ई. का पिट्स इंडिया एक्ट

- इस एक्ट के द्वारा दोहरे प्रशासन का आरम्भ हुआ।
- बोर्ड ऑफ डायेक्टर्स – व्यापारिक मामलों के लिए।
- बोर्ड ऑफ कंट्रोलर –राजनीतिक मामलों के लिए।
- ब्रिटिश सरकार को भारत में कंपनी के कार्यों और इसके प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया।

1793 ई. का चार्टर अधिनियम द्वारा नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि को भारतीय राजस्व में से देने की व्यवस्था की गयी।

1813 ई. का चार्टर अधिनियम

- कंपनी के अधिकार पत्र को 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया।
- कंपनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छीन लिया गया।
- लेकिन चीन के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के व्यापर के संबंध में 20 वर्षों के लिए एकाधिकार प्राप्त रहा।
- 1813 ई. से पहले ईसाई पादरियों को भारत आने की आज्ञा नहीं थी किन्तु 1813 ई. के अधिनियम द्वारा ईसाई पादरियों को भारत आने की सुविधा मिल गयी।

1833 ई. का चार्टर अधिनियम

- इस अधिनियम ने बंगाल के गवर्नर को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया।
- इसने मद्रास एवं बम्बई के गवर्नरों को विधायिका संबंधी शक्ति से वंचित कर दिया।
- लॉर्ड विलियम बैंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे।
- इस अधिनियम के तहत कंपनी के व्यापरिक अधिकार पूर्णतया: समाप्त कर दिये गए।
- भारतीय कानूनों का वर्गीकरण किया गया तथा इस आयोग के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी
- 1834 ई. में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया।

1853 ई. का चार्टर अधिनियम

- 1793 से 1853 ई. के दौरान ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किये गये चार्टर अधिनियम के श्रृंखला में अधिनियम अन्तिम था।
- इसने पहली बार गवर्नर जनरल के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग कर दिया।
- इसने सिविल सेवकों की भर्ती एवं चयन हेतु खुली प्रतियोगिता व्यवस्था का शुभारम्भ कर दिया।

ताज का शासन [1858 से 1947 ई. तक]

- 1861, 1892 और 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम
- भारत शासन अधिनियम, 1919
- भारत शासन अधिनियम, 1935
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

➢ भारत के संविधान में केंद्र और राज्यों के मध्य किया गया शक्तियों का विभाजन भारत सरकार अधिनियम, 1935 पर आधारित है।

1947 ई. का भारत स्वतंत्रता अधिनियम

- इसने भारत में ब्रिटिश राज को समाप्त कर दिया, 15 अगस्त 1947 को इसे स्वतंत्र एवं सम्प्रभु राष्ट्र घोषित कर दिया।
- इस अधिनियम ने भारत का विभाजन कर दो स्वतंत्र राष्ट्र भारत और पाकिस्तान का सृजन किया।
- इस कानून ने ब्रिटेन में भारत सचिव का पद समाप्त कर दिया।
- इसने 15 अगस्त 1947 से भारतीय रियासतों पर ब्रिटिश संप्रभु को समाप्ति की घोषणा की।
- इस अधिनियम ने शाही उपाधि से 'भारत का सम्राट' शब्द समाप्त कर दिया।
- 1935 के भारत शासन अधिनियम द्वारा शासन जब तक संविधान सभा द्वारा नया संविधान बनकर तैयार नहीं किया जाता तब तक उस समय 1935 के भारतीय शासन अधिनियम के द्वारा ही शासन किया जायेगा।
- देशी रियासतों पर से ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अंत कर दिया।

स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रीमण्डल (1947)

जवाहर लाल नेहरू	- प्रधानमंत्री, राष्ट्रमण्डल तथा विदेशी मामलों
सरदार वल्लभभाई पटेल	- गृह, सुचना एवं प्रसारण, राज्यों के मामले
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	- खाद्य एवं कृषि
मौलाना अबुल कलाम आजाद	- शिक्षा
डॉ. जॉन मथाई	- रेलवे एवं परिवहन
आर. के. षणमुगम शेट्टी	- वित्त
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर	- विधि
जगजीवन राम	- श्रम
सरदार बलदेव सिंह	- रक्षा
राजकुमारी अमृतकौर	- स्वास्थ्य
सी. एच. भाभा	- वाणिज्य
रफी अहमद किदवई	- संचार
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	- उद्योग एवं आपूर्ति
वी. एन. गाडगिल	- कार्य, खान एवं ऊर्जा

अध्याय – 2

संविधान का निर्माण

- भारत में संविधान सभा के गठन का विचार वर्ष 1934 में पहली बार एम. एन. रॉय ने रखा।
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की।
- 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा। नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे 1940 के अगस्त प्रस्ताव के रूप में जाना जाता है।
- क्रिप्स मिशन 1946 में भारत आया।

क्रिप्स मिशन

- लॉर्ड सर पैथिक लॉरेंस (अध्यक्ष)
- ए. वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- 1946 ई. को ब्रिटेन के प्रधान मंत्री क्लीमेंट एटली ने ब्रिटिश मंत्रिमंडल के तीन सदस्य (सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए. वी. अलेक्जेंडर) को भारत भेजा जिसे कैबिनेट मिशन कहा गया।
- कैबिनेट का मुख्य कार्य संविधान सभा का गठन कर भारतीयों द्वारा अपना संविधान बनाने का कार्य करना था।
- भारत में जवाहर लाल नेहरु की अध्यक्षता में अंतरिम सरकार का गठन कैबिनेट मिशन योजना के तहत किया गया था। अंतरिम मंत्रिमंडल अंग इस प्रकार था।

अंतरिम सरकार - जवाहर लाल नेहरू - स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)

सरदार वल्लभभाई पटेल	- गृह, सूचना एवं प्रसारण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	- खाद्य एवं कृषि
जॉन मथाई	- उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति
जगजीवन राम	- श्रम
सरदार बलदेव सिंह	- रक्षा
सी. एच. भाभा	- कार्य, खान एवं ऊर्जा
लियाकत अली खां	- वित्त
अब्दुर रख निश्तार	- डाक एवं वायु
आसफ अली	- रेलवे एवं परिवहन
सी. राजगोपालाचारी	- शिक्षा एवं कला
आई. आई. चुंदरीगर	- वाणिज्य
गजनफर अली खान	- स्वास्थ्य
जोगेंद्र नाथ मंडल	- विधि

- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ। मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –

- संविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी। इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देशी रियासतों को दी जानी थी।
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देशी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी। आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था।
- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था। यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर)।
- देशी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखों द्वारा किया जाना था।
- कैबिनेट योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए।
- इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली।
- महात्मा गाँधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो संविधान सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे।
- 9 दिसम्बर 1946 ई. को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई जिसमें मुस्लिम लीग ने भाग नहीं लिया।
- संविधान सभा का अधिवेशन 9 दिसम्बर 1946 को कन्द्रीय कक्ष में संपन्न हुआ। डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सर्व सम्मति से संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुन लिया गया।
- 11 दिसम्बर 1946 ई. को कांग्रेस के नेता डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया जो की अन्त तक इसके अध्यक्ष बने रहे।

उद्देश्य प्रस्ताव :-

- 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।
- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई। मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार कियाऔर अलग पाकिस्तान की मांग उठाई।
- सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया।
- 2 दिन पश्चात 11 दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को सभा का स्थाई अध्यक्ष बनाया गया, जो 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया। संक्षेप में इस प्रस्ताव की मुख्य बातें निम्नलिखित थी :-
- भारत को एक स्वतंत्र तथा संप्रभु गणराज्य के रूप में स्थापित किया जाए।
- भारत के समस्त नागरिक को विचार, अभिव्यक्ति, संस्था बनाने, कोई व्यवसाय करने, किसी भी धर्म को मानने या न मानने कि स्वतंत्रता होगी।
- अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के हितों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त रक्षा के उपाय किए जाएंगे।
- देश की एकता को स्थायित्व प्रदान किया जाएगा।
- यही उद्देश्य प्रस्ताव संविधान की 'प्रस्तावना' का आधार बना और इसी ने संपूर्ण संविधान के दर्शन को मूर्त रूप प्रदान किया।

संविधान सभा की कार्य प्रणाली

अस्थायी अध्यक्ष - सच्चिदानंद सिन्हा
अध्यक्ष - डा. राजेन्द्र प्रसाद
उपाध्यक्ष - डा. एच. सी मुखर्जी, व वी०टी० कृष्णामाचारी

संविधान सभा के अन्य कार्य

- मई 1949 में राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता।
- 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान को अपनाया।
- 26 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय गीत को अपनाया।
- 24 जनवरी 1950 को राजेन्द्र प्रसाद को भारत के पहले राष्ट्रपति चुनना।
- 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में कुल 11 बैठके हुई, लगभग 60 देशों का संविधान का अवलोकन, इसके प्रारूप पर 114 दिन तक विचार हुआ कुल खर्च 64 लाख रुपया आया।
- 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा की अन्तिम बैठक हुई।

संविधान सभा की समितियां

संघ शक्ति समिति - जवाहर लाल नेहरू
संघीय संविधान समिति - जवाहरलाल नेहरू
प्रांतीय संविधान समिति - सरदार वल्लभ भाई पटेल
प्रारूप समिति - डॉ. बी. आर. अंबेडकर
मौलिक अधिकारी, अल्पसंख्यको एवं जनजातियो तथा बहिष्कृत क्षेत्रो के लिए सलाहकार समिति - सरदार पटेल
प्रक्रिया नियम समिति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद
राज्यों के लिए समिति - जवाहरलाल नेहरु
संचालन समिति - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

प्रारूप समिति

- अम्बेडकर (अध्यक्ष)
- एन गोपालस्वामी आयंगार
- अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर
- डॉ. के. एम मुंशी
- सैयद मोहम्मद सादुल्ला
- एन. माधव राव (बी. एल. मिल की जगह)
- टी. टी. कृष्णामाचारी (डी.पी खेतान की जगह)
- 4 नवम्बर 1948 को अंबेडकर ने सभा में संविधान का अन्तिम प्रारूप पेश किया गया। इस बार संविधान पहली बार पढ़ा गया।
- संविधान सभा के 299 सदस्यों में से 284 लोगों ने संविधान पर हस्ताक्षर किया।

उपाध्यक्ष, विधान परिषद् के सभापति एवं उपसभापति, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायधीशो और भारत के नियंत्रक महालेख परीक्षक पदाधिकारियों के वेतन, भत्तों तथा पेंशन आदि का उल्लेख है।

- **तीसरी अनुसूची (अनुछेद 75(4), 84,99, 124(6), 148(2), 164(3), 173, 188, 219)-** इसमें विभिन्न पदाधिकारियों (मंत्री,उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों) द्वारा पद-ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ का उल्लेख है।
- **चौथी अनुसूची (art 4(1), 80(2))-**इसमें राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राज्यसभा में स्थानों का आवंटन का उल्लेख है।
- **पाँचवी अनुसूची (art 244(1))-**इसमें अनुसूचित क्षेत्रों व जनजातियों के प्रशासन तथा नियंत्रण से जुड़े प्रावधान है।
- **छठी अनुसूची (art 244(2) एवं 275(1))-**असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित उपबंध
- **सातवीं अनुसूची (art 246)-**संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची में शामिल विषय।
- **तीनों सूचियों से संबंधित प्रमुख विषय**

संघ सूची	राज्य सूची	समवर्ती सूची
प्रतिरक्षा	लोक व्यवस्था	दंड विधि/प्रक्रिया विधि
विदेशी मामले	पुलिस	आर्थिक व सामाजिक योजनाएं
नागरिकता	कारागार	शिक्षा
संचार /डाक व तार	भूमि	वन
निगम कर /सेवा कर	स्थानीय स्वशासन	विवाह व विवाह-विच्छेद
युद्ध और शांति	प्रादेशिक लोक सेवा	कारखाने /मजदूर संघ
सीमा शुल्क व निर्यात शुल्क	लोक स्वास्थ्य	खाद्य पदार्थों और अन्य पदार्थों का अपमिश्रण
बीमा	बाजार एवं मेले	जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन
प्रत्यर्पण	सट्टा व जुआ	न्याय,प्रशासन
शेयर बाजार	कृषि भूमि पर सम्पदा शुल्क	सम्पति का अर्जन व अधिग्रहण
अन्तराष्ट्रीय संधि और करार	पशुपालन/सिचाई	विधुत
रेलवे	कृषि आय पर कर	बाट-माप
मुद्रा /रिजर्व बैंक	गैस	वन्य जीव-जन्तुओ का संरक्षण
समुद्री व हवाई मार्ग	शराब	समाचार पत्र,पुस्तके और मुद्रणालय
विदेशी ऋण/विदेशी व्यापर	मनोरजन	स्च्छता व ओषधालय
लाटरी	भू-राजस्व या लगान	औधोगिक विवाद
आयकर	विधुत पर कर	उतराधिकार
जनग णना	पथकर	विधि वृति,चिकित्सा ब्रितियाँ
डाकघर बचत बैंक	प्रति व्यक्ति कर	कीमत नियन्त्रण
स्टॉक एक्सचेंज	विलासिता की वस्तुओं पर कर आदि	जन्म-मरण पंजीकरण आदि

- **आठवीं अनुसूची (art 344(1) व 351)-**संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं की सूची।
- **नौवी अनुसूची (art 31(ख))-** इसमें भूमि सुधार व जमींदार उन्मूलन से संबंधित अधिनियम,नियम,विनियम आदि जिन्हें न्यायिक पुनर्विलोकन से बचाने के लिए इसमें सम्मीलित किया गया था।
- **दसवी अनुसूची (art 102(2) एवं 191(2))-**दल-बदल (defection) के आधार पर संसद और विधानसभा के सदस्यों की निरर्हता से सम्बन्धित उपबंध।
- **ग्यारहवीं अनुसूची (art 243(ब))-**पंचायतो की शक्तियां व उत्तरदायित्व निर्धारित किए गए हैं।
- **बारहवी अनुसूची (art243(ब))-** नगरपालिका ओं की शक्तियां व उत्तरदायित्व निर्धारित किए गए हैं।

- आठवीं अनुसूची में सिंधी भाषा 21 वे संविधान संशोधन अधिनियम,1967 द्वारा जोड़ी गई थी।
- भारतीय संविधान में 9 वीं अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन(वर्ष 1951) के माध्यम से जोड़ा गया।
- दसवीं अनुसूची को 52 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा संविधान में जोड़ा गया था तथा 91 वें संविधान संशोधन अधिनियम,2003 द्वारा इसमें संशोधन किया गया। इसे दल-बदल विरोधी कानून (anti-defection law)

अंग्रेजी जो कि भारत में बोली जाने वाली एक प्रमुख भाषा है,परन्तु इसे संविधान की 8 वीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया।

अध्याय – II

उच्चतम न्यायालय

- 1793 में कार्नवालिस के शासनकाल में निचली अदालतों का गठन किया गया।
- 1861 में इंडियन काउंसलिंग एक्ट के अनुसार पहली तीन उच्च न्यायालय का गठन किया गया।
- 1935 में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत फेडरल कोर्ट का गठन किया गया। यही वर्तमान सर्वोच्च न्यायालय है। इन अदालतों की दंड प्रणाली एवं कार्य प्रणाली ब्रिटिश काल में ही निर्मित हो गई थी
- 1860 में आईपीसी इंडियन पैनल कोर्ट का गठन हुआ। 1862 में इसे लागू कर दिया गया।
- 1908 में सिविल प्रोसेशन कोर्ट अस्तित्व में है।
- 1973 में क्रिमिनल कोर्ट प्रोसेशन कोर्ट अस्तित्व में आई।
- भारत में उच्चतम न्यायालय सर्वोच्च न्यायालय का उद्घाटन 28 जनवरी 1950 को हुआ। (सर्वोच्च न्यायालय)
- सशस्त्र सेना न्यायाधिकरण अधिनियम 2007 के प्रावधान के अनुसार कोर्ट मार्शल की अपील सुप्रीम कोर्ट में की जा सकती है।
- भारत के सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति सांसद की है।
- फेडरल कोर्ट संसद से अधिक शक्तिशाली है।
- U.K. में संसदीय संप्रभुता की स्थिति है। संसद, न्यायपालिका की स्थिति में श्रेष्ठ है। भारत में संसदीय संप्रभुता और न्याय व्यवस्था के मध्य की स्थिति को अपनाया गया।
- संविधान के दायरे में दोनों ही शक्तिशाली है।
- भारतीय संविधान का संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय है ।

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय (आर्टिकल –124)

- 1773 में रेगुलेटिंग एक्ट के आधार पर कोलकाता में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई, परंतु वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट 1935 के फेडरल कोर्ट का उत्तराधिकारी है। 26 जनवरी 1950 से अस्तित्व में है।
- मूल संविधान में सुप्रीम कोर्ट में एक मुख्य न्यायाधीश तथा सात अन्य न्यायाधीशों का प्रावधान है। वर्तमान में एक मुख्य न्यायाधीश व 30 अन्य न्यायाधीश हैं । इन न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति के नाम पर की जाती है। परंतु 1993 से ही सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम निर्णायक भूमिका निभा रहा है।
- इस कॉलेजियम में मुख्य न्यायाधीश के साथ चार वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं।
- राष्ट्रपति के द्वारा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को शपथ दिलाई जाती है तथा यह अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को ही संबोधित करते हैं।
- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति के पश्चात भारत में कहीं भी वकालत नहीं कर सकते।
- [जब सुप्रीम कोर्ट किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उसके दायित्व के निर्वहन हेतु लेख जारी करता है तो उसे परमादेश (मेंडमस) कहते हैं।]

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अर्हता (योग्यता)

- किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 5 वर्ष तक न्यायाधीश रहा हो।
- किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 10 वर्षों तक अधिवक्ता रहा हो।
- राष्ट्रपति की राय में पारंगत विधिवेत्ता रहा हो।
- H. J. Kania सर्वोच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश थे।
- K. N. Singh मात्र 18 दिन तक ही मुख्य न्यायाधीश रहे।
- राजेंद्र बाबू मात्र 23 दिन तक ही मुख्य न्यायाधीश रहे।
- Y. V. Chandchurn भारत के सबसे अधिक समय तक सीजीआई थे।
- 1973 में ए. एन. राय को वरिष्ठता क्रम का उल्लंघन करते हुए सीजेआई बनाया गया।
- फातिमा बीवी पहली महिला न्यायाधीश थी। (सुप्रीम कोर्ट)
- अन्य महिला न्यायाधीश हैं - सुजाता मनोहर, रूमा पाल, ज्ञान - सुधा – मिश्रा, रंजना प्रकाश देसाई।
- अनुच्छेद 122 में न्यायालयों द्वारा संसद की कार्यवाहीयों की जांच ना किया जाना, का प्रावधान है।
- [महान्यायवादी, इसे संसद की कार्यवाही में भाग लेने का तो अधिकार है, लेकिन वोट डालने का नहीं।]
- [महान्यायवादी, जो संसद का सदस्य नहीं होता, परंतु उसे संसद को संबोधित करने का अधिकार है।]
- [महान्यायवादी को उसके पद से महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है।]

➢ सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और कार्यकाल के बीच से केवल संसद द्वारा ही हटाया जा सकता है।

➢ 90 के दशक में पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश सी वी रामास्वामी के विरुद्ध प्रस्ताव लोक सभा में गिर गया था।

➢ हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ प्रस्ताव राज्य सभा ने पारित कर दिया व उन्होंने त्यागपत्र दे दिया।

➢ हाई कोर्ट के ही न्यायाधीश S. Dinkaran ने समिति की रिपोर्ट आने के बाद त्याग पत्र दे दिया।

➢ राष्ट्रपति की सहमति से मुख्य न्यायाधीश द्वारा तदर्थ न्यायाधीश की नियुक्ति की जा सकती है।

राष्ट्रपति का सलाहकार

➢ सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 138 व 143 के तहत राष्ट्रपति को **न्यायिक सलाहकार** प्रदान करता है।

➢ [आर्टिकल 138 के तहत दी गई सलाह एक बाध्यकारी होती है, तथा आर्टिकल 143 के तहत दी गई सलाह बाध्यकारी नहीं होती।]

- संविधान के अनुच्छेद 171 के अनुसार, किसी राज्य की विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से अधिक और किसी भी स्थिति में 40 से कम नहीं हो सकती ।
- भारतीय संसद कानून द्वारा विधान परिषद् की रचना के संबंध में संशोधन कर सकती है।
- अनुच्छेद 173 के अनुसार, विधानपरिषद् के सदस्यों के लिए निम्नलिखित योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं-

1. वह भारत का नागरिक हो।
2. संसद द्वारा निश्चित अन्य योग्यताएँ रखता हो।
3. 30 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
4. किसी न्यायालय द्वारा पागल या दिवालिया न घोषित किया गया हो।
5. संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के अनुसार विधानसभा के लिए अयोग्य न हो। साथ ही राज्य विधानमण्डल का सदस्य होने की पात्रता हेतु उसका नाम राज्य के किसी विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में होना चाहिए।

- विधानपरिषद् एक स्थायी सदन है।
- इसके सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं।
- प्रत्येक 2 वर्ष पश्चात् 1/3 सदस्य अवकाश प्राप्त कर लेते हैं और उनके स्थान पर नए सदस्य चुने जाते हैं,
- यदि कोई व्यक्ति मृत्यु या त्याग-पत्र द्वारा हुई आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित होता है, तो वह उस व्यक्ति या सदस्य की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होगा।

राज्य विधानमण्डल

- **अनुच्छेद 168** राज्यों के विधानमण्डलों का गठन
- **अनु. 169** राज्यों में विधान परिषदों का उत्पादन एवं सृजन
- **अनुच्छेद 170** विधानसभाओं की संरचना
- **अनुच्छेद 171** विधान परिषदों की संरचना
- **अनुच्छेद 172** राज्यों के विधानमण्डलों की अवधि
- **अनुच्छेद 173** राज्य के विधानमण्डल की सदस्यता के लिए अर्हता
- **अनुच्छेद 174** राज्य के विधानमण्डल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
- **अनुच्छेद 175** सदन या सदनो में अभिभाषण का और उनको सन्देश भेजने का राज्यपाल का अधिकार
- **अनुच्छेद 176** राज्यपाल का विशेष अभिभाषण
- **अनुच्छेद 177** सदनों के बारे में मन्त्रियों और महाधिवक्ता के अधिकार

राज्य के विधानमण्डल के अधिकारी

- **अनुच्छेद 178** विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
- **अनुच्छेद 179** अध्यक्ष आर उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना पदत्याग और पद से हटाया जाना
- **अनुच्छेद 180** अध्यक्ष के पद के कर्तव्यों का पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति की शक्ति
- **अनुच्छेद 181** जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
- **अनुच्छेद 182** विधानपरिषद् का सभापति व उपसभापति
- **अनुच्छेद 183** सभापति आर उपसभापति का पद रिक्त होना पदत्याग और पद से हटाया जाना ।
- **अनुच्छेद 184** सभापति के पद के कर्तव्यों का पालन करने या सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति या अन्य व्यक्ति की शक्ति
- **अनुच्छेद 185** जब सभापति या उपसभापति को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तबउसका पीठासीन न होना ।
- **अनुच्छेद 186** अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा सभापति और उपसभापति के वेतन और भत्ते ।
- **अनुच्छेद 187** राज्य के विधानमण्डल का सचिवालय कार्य-संचालन
- **अनुच्छेद 188** सदस्यों का शपथ या प्रतिज्ञान
- **अनुच्छेद 189** सदनों में मतदान, रिक्तियों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति एवं गणपूर्ति

सदस्यों की निरर्हताएँ -

- **अनुच्छेद 190** स्थानों का रिक्त होना
- **अनुच्छेद 191** सदस्यता के लिए निरर्हताएँ
- **अनुच्छेद 192** सदस्यों की निरहर्ताओं से सम्बन्धित प्रश्नों पर विनिश्चय
- **अनुच्छेद 193** अनुच्छेद 188 के अधीन शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले या अर्हित न होते हुए या निरहित किए जाने पर बैठने और मत देने के लिए शक्ति ।

राज्यों के विधानमण्डलों और उनके सदस्यों की शक्तियाँ, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियाँ।

- **अनुच्छेद 194** विधानमण्डलों के सदनों की तथा उनके सदस्यों और समितियों की शक्तियों, विशेषाधिकार आदि
- **अनुच्छेद 195** सदस्यों के वेतन और भत्ते

विधायी प्रक्रिया

- **अनुच्छेद 196** विधेयकों के पुनस्थापन और पारित किए जाने के सम्बन्ध में उपबन्ध
- **अनुच्छेद 197** धन विधेयकों से भिन्न विधेयकों के बारे में विधान परिषद् की शक्तियों पर निबंधन **अनुच्छेद 198** धन विधेयकों के सम्बन्ध में विशेष प्रक्रिया
- **अनुच्छेद 199** "धन विधेयक" की परिभाषा
- **अनुच्छेद 200** विधेयकों पर अनुमति
- **अनुच्छेद 201** विचार के लिए आरक्षित विधेयक वित्तीय विषयों के सम्बन्ध में प्रक्रिया
- **अनुच्छेद 202** वार्षिक वित्तीय विवरण अनुच्छेद
- **अनुच्छेद 203** विधानमण्डल में प्राक्कलनों के सम्बन्ध में प्रक्रिया
- **अनुच्छेद 204** विनियोग विधेयक अनुच्छेद
- **अनुच्छेद 205** अनुपरक, अतिरिक्त या अधिक अनुदान

मध्यकालीन भारत

अध्याय – I

अरब आक्रमण

- ***मध्ययुगीन भारत***, "प्राचीन भारत" और "आधुनिक भारत" के बीच भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास की लम्बी अवधि को दर्शाता है।
- पाल राजा धर्मपाल, जो गोपाल के पुत्र थे, ने आठवीं शताब्दी ए.डी. से नौवी शताब्दी ए.डी. के अंत तक शासन किया।
- धर्मपाल द्वारा नालन्दा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना इसी अवधि में की गई।
- अरबों का भारत पर पहला आक्रमण खलीफा उमर के काल में 636 ई .में बम्बई के थाना पर हुआ जो कि असफल रहा।
- अरबों का भारत का प्रथम सफल अभियान 712 ई. में मुहम्मद-बिन-कासिम के नेतृत्व में हुआ।
- मुहम्मद-बिन-कासिम ने दाहिर को हराकर 'सिन्ध पर कब्जा कर लिया।
- कासिम ने 'मुल्तान' पर भी कब्जा कर लिया तथा इसका नाम सोने का शहर रखा।
- मुहम्द बिन कासिम ने भारत में सर्वप्रथम जजिया कर लागू किया।
- जजिया कर इस्लाम को न स्वीकार करने वाले यानि गैर-मुस्लिमों से वसूला जाता था।
- मुहम्मद - बिन -कासिम ने सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण कराया ।
- अब्बासी खलीफाओं ने बगदाद (इराक) को अरब जगत की राजधानी घोषित किया।
- खलीफा हारून रशीद ने चरक संहिता का अरबी अनुवाद कराया।
- अरबों ने अंक, दशमलव तथा गणित के सिद्धांतों को सीखा।

मुहम्मद बिन कासिम के प्रमुख अभियान

- देबल या दाभोल यहीं पर सर्वप्रथम कासिम ने जजिया लगाया।
- देबल के बाद कासिम ने नीरून, सेहवान एवं सिसम पर सफल आक्रमण किया।
- सिसम जीतने के बाद कासिम ने राबर जीता। राबर में दाहिर लड़ता हुआ मारा गया।
- उसकी मृत्यु के बाद उसकी पत्नी रानीबाई ने अरबों के खिलाफ मोर्चा संभाला। परन्तु, स्वयं को हारते देखकर उसने जौहर कर लिया।
- अलोर या अरोर ब्राह्मणवाद के बाद दाहिर की राजधानी अलोर को जीता गया। अरोर विजय ही सिन्ध विजय को पूर्णता प्रदान करता है ।
- मुल्तान - अलोर विजय के बाद कासिम ने सिक्का एवं मुल्तान जीता।
- मुल्तान कासिम की अंतिम विजय थी। यहाँ से उसे इतना सारा सोना मिला की मुल्तान का नाम सोन का नगर (स्वर्ण नगर) रखा गया।
- मोहम्मद बिन कासिम भारत पर आक्रमण करने वाला पहला अरब मुस्लिम था ।

महमूद गजनवी -

- भारत में तुर्कों का आक्रमण दो चरणों में सम्पन्न हुआ।
- प्रथम चरण का महमूद गजनवी तो दूसरे का मोहम्मद गौरी था।
- अरबों के बाद तुर्कों ने भारत पर आक्रमण किया।
- तुर्क चीन की उत्तरी-पश्चिमी सीमाओं पर निवास करने वाली असभ्य एवं बर्बर जाति थी।
- अलप्तगीन नामक एक तुर्क सरदार ने गजनी में स्वतन्त्र तुर्क राज्य की स्थापना की।
- अलप्तगीन के गुलाम तथा दामाद सुबुक्तगीन ने 977 ई. में गजनी पर अपना अधिकार कर लिया।
- महमूद गजनी सुबुक्तगीन का पुत्र था।
- अपने पिता के काल में महमूद गजनी खुरासान का शासक था।
- सुबुक्तगीन की मृत्यु के बाद उसका पुत्र एवं उत्तराधिकारी महमूद गजनवी गजनी की गद्दी पर 998 ई. में बैठा।
- 1010 ई. में महमूद ने नगरकोट को लूटा तथा 1010 ई .में तलवाड़ी युद्ध में हिन्दुओं के संघ को परास्त किया।
- 1014 ई. में थानेश्वर के चक्रस्वामी मंदिर को लूटा ।
- त्रिलोचनपाल एवं पंजाब के शाही शासक त्रिलोचनपाल के साथ मिलकर एक संघ का निर्माण किया था। इस संघ का प्रमुख विद्याधर था।
- विद्याधर ही वह चन्देल शासक था जो महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ और दोनों के बीच संधि हो गयी।
- 1025 ई. में गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी ने आक्रमण किया था ।
- चालुक्य शासक भीम प्रथम था गजनवी के चले जाने के बाद इस मंदिर का पुनर्निमाण करवाया।
- 1030 ई .में महमूद गजनवी की मृत्यु हो गयी।
- अलबरूनी तथा फिरदौसी (शाहनामा के लेखक) महमूद गजनवी के दरबारी कवि थे ।
- 'तारीख-ए-यामिनी' नामक पुस्तक का लेखक उतबी था ।
- महमूद गजनी ने भारत पर कुल 17 बार आक्रमण किया ।
- सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला पहला शासक महमूद गजनी था । महमूद गजनी ने भारत पर आक्रमण करते समय जेहाद का नारा दिया और और अपना नाम बुतकिशन रखा ।

मुहम्मद गौरी

- मुहम्मद गौरी शंसबनी वंश का था।
- मुहम्मद गौरी का पूरा नाम शाहबुद्दीन मुहम्मद गौरी था।

- ग्यासुद्दीन मुहम्मद गौरी इसका बड़ा भाई था। ग्यासुद्दीन मुहम्मद गौरी ने 1163 ई. गोर को राजधानी बनाकर स्वतंत्र राज्य स्थापित कराया ।
- 1203 ई. में ग्यासुद्दीन की मृत्यु के पश्चात् मोहम्मद गौरी ने एक स्वतंत्र शासक के रूप में मुइजुद्दीन की उपाधि धारण की तथा गोर को राजधानी बनाया।
- मुहम्द बिन कासिम के बाद महमूद गजनवी तथा उसके बाद मुहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किया तथा कत्लेआम कर लूटपाट मचाई।
- भारत में तुर्क साम्राज्य का श्रेय मुहम्द गौरी को दिया जाता है ।
- 12 वीं शताब्दी के मध्य में गौरी वंश का उदय हुआ।
- गौरी वंश की नींव अलाउद्दीन जहांसोज ने रखी थी।
- जहाँ सोज की मृत्यु के बाद उसके पुत्र सैफ-उद-दीन गौरी के सिंहासन पर बैठा।

मुहम्द गौरी के आक्रमण

- गौरी ने प्रथम आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान पर किया।
- गौरी ने 1178 ई. द्वितीय आक्रमण गुजरात पर किया लेकिन मूलराज द्वितीय ने उसे आबू पर्वत की तलहटी में पराजित किया। भारत में मुहम्मद गौरी की यह पहली पराजय थी।
- इस युद्ध का संचालन नायिका देवी ने किया था जो मूलराज की पत्नी थी।
- 1186 ई. तक गौरी ने लाहौर, श्यालकोट तथा भटिण्डा तबरहिंद को जीत लिया था। तब हिंद पर पृथ्वीराज चौहान तृतीय का अधिकार था।

तराईन का प्रथम युद्ध – 1191 ई.
तराईन का द्वितीय युद्ध – 1192 ई.

- तराईन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान तृतीय के बीच हुआ था इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की जीत हुई थी ।
- तराईन का दूसरा युद्ध 1192 ई. में मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच हुआ था । इस युद्ध में गौरी की जीत हुई थी ।
- चन्द्रबरदाई के अनुसार युद्ध में पराजय के बाद पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाकर गजनी ले जाया गया। पृथ्वीराज चौहान ने शब्दभेदी बाण छोड़ कर मुहम्मद गौरी को मार दिया था ।
- 1192 ई. के बाद गौरी ने अपने दास ऐबक को भारतीय क्षेत्रों का प्रशासक घोषित कर दिया ।
- 1194 ई. के बाद गौरी के दो सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक तथा बख्तियार खिलजी ने भारतीय क्षेत्रों को जीतना प्रारंभ किया।
- बख्तियार खिलजी को असम के माघ शासक ने पराजित किया तथा 15 मार्च 1206 ई .में बख्तियार खिलजी के ही सैन्य अधिकारी अलिमर्दान ने मुहम्द गौरी की हत्या कर दी।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1195 ई. में अन्हिलवाड़ा के शासक भीम द्वितीय पर आक्रमण किया लेकिन ऐबक पराजित हुआ।
- 1203 ई. में ऐबक ने चंदेल शासक परमर्दिदेव से कालिंजर को जीत लिया था।

मुहम्मद गौरी की मृत्यु

- 1206 ई. में मुहम्मद गौरी ने पंजाब के खोखर जनजाति के विद्रोह को दबाने के लिए भारत पर अंतिम आक्रमण किया ।
- गौरी ने लक्ष्मी की आकृति वाले कुछ सिक्के चलाये ।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

दिल्ली सल्तनत

दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश निम्नलिखित थे-

गुलाम वंश के शासक -

कुतुबुद्दीन ऐबक)1206-1210 ई. तक)

- भारत में तुर्की राज्य । दिल्ली सल्तनत। मुस्लिम राज्य की स्थापना करने वाला शासक ऐबक ही था।
- गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में की थी । इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई ।
- ऐबक का अर्थ होता है चंद्रमुखी ।
- ऐबक के राजवंश को कुतुबी राजवंश के नाम से जन जाता है ।
- मुहम्मद गौरी ने ऐबक को अमीर-ए-आखूर अस्तबलों का प्रधान के पद पर नियुक्त किया।
- 1192 ई. के तराईन के युद्ध में ऐबक ने गौरी की सहायता की।
- तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद गौरी ने ऐबक को अपने मुख्य भारतीय प्रदेशों का सूबेदार नियुक्त किया।
- जून 1206 में राज्याभिषेक करवाया तथा सुल्तान की बजाय मलिक।सिपहसालार की उपाधि धारण की यह उपाधि इसे मुहम्मद गौरी ने दी थी ।
- इसने अपने नाम के सिक्के भी नहीं चलाये एवं अपने नाम का खुतबा पढ़वाया)खुतबा एक रचना होती थी जो मौलवियों से सुल्तान शुक्रवार की रात को नजदीक की मस्जिद में अपनी प्रंशसा में पढ़वाते थे ।)खुतबा शासक की संप्रभूता का सूचक होता था।
- ऐबक ने प्रारंभ इंद्रप्रस्थ में दिल्ली के पास को सैनिक मुख्यालय बनाया तथा कुछ समय बाद यल्दौज तथा कुबाचा (मुहम्मद गौरी के दास) के संघर्ष को देखते हुए लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ऐबक ने यल्दौज पर आक्रमण कर गजनी पर अधिकार कर लिया, लेकिन गजनी की जनता यल्दौज के प्रति वफादार थी तथा 40 दिनों के बाद ऐबक ने गजनी छोड़ दिया ।

ऐबक की मृत्यु

- 1210 ई. में लाहौर में चौगान पोलो खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण ऐबक की मौत हो गई। इसका मकबरा लाहौर में ही बनाया गया है ।
- भारत में तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को मान जाता है ।
- भारत में मुस्लिम राज्य का संस्थापक मुहम्मद गौरी को माना जाता है । स्वतंत्र मुस्लिम राज्य का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है ।
- कुत्तुबुद्दीन ऐबक के दरबार में हसन् निजामी एवं फख-ए-मुदब्बिर आदि प्रसिद्ध विद्वान थे ।
- 'कुव्वत-उल-इस्लाम -''अढ़ाई दिन का झोंपड़ा बनवाया। तथा 'कुतुबमीनार 'का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू करवाया और इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतुबमीनार शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में बनवाया गया है ।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को अपनी उदारता एवं दानी प्रवृति के कारण लाखबख्श (लाखों का दानी)कहा गया है ।
- इतिहासकार मिन्हाज ने कुतुबुद्दीन ऐबक को उसकी दानशीलता के कारण हातिम द्वितीय की संज्ञा दी है ।
- प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वाला ऐबक का सहायक सेनानायक बख्तियार खिलजी था ।

इल्तुतमिश)1210-1236 ई.)

- मलिक शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ऐबक का दामाद था, न कि उसका वंशज। इल्तुतमिश का शाब्दिक अर्थ राज्य का रक्षक स्वामी होता है।। उसका समानार्थक शब्द आलमगीर या जहाँगीर विश्व विजेता भी होता है ।
- ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बदायूँ यू.पी. का इक्तेदार था।
- इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक तथा प्रथम वैधानिक सुल्तान था। जिसने दिल्ली को अपने राजधानी बनाया ।
- इसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा अल-मुंतसिर-बिल्लाह से सुल्तान की उपाधि व खिलअत इजाजत प्राप्त की।
- इल्तुतमिश ने अपने नाम का खुतबा पढ़वाया तथा मानक सिक्कें टंका चलाया था। टंका चांदी का होता था)। टंका =48 जीतल)
- इल्तुतमिश यह पहला मुस्लिम शासक था जिसने सिक्कों पर टकसाल का नाम अंकित करवाया था।
- शहरों में इल्तुतमिश ने न्याय के लिए काजी, अमीर-ए-दाद जैसे अधिकारी नियुक्त किये।
- इल्तुतमिश ने अपने 40 तुर्की सरदारों को मिलाकर तुर्कान-ए-चहलगामी नामक प्रशासनिक संस्था की स्थापना की थी।

इक्ता प्रणाली का संस्थापक

- इल्तुतमिश ने प्रशासन में इक्ता प्रथा को भी स्थापित किया। भारत में इक्ता प्रणाली का संस्थापक इल्तुतमिश ही था। इक्ता का अर्थ है – धन के स्थान पर तनख्वाह के रूप में भूमि प्रदान करना ।
- इसने दोआब गंगा-यमुना क्षेत्र में हिन्दुओं की शक्ति तोड़ने के लिए शम्सीतुर्की उच्च वर्ग सरदारों को ग्रामीण क्षेत्र में इक्तायें जागीर बांटी।
- 1226 में रणथंभौर पर आक्रमण
- 1227 में नागौर पर आक्रमण
- 1232 में मालवा पर आक्रमण - इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश उज्जैन से विक्रमादित्य की मूर्ति उठाकर लाया था।

अध्याय – 3

नदियाँ एवं झीलें

- **नदियाँ**

भारतीय अपवाह तंत्र

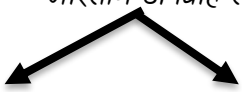

अरब सागरीय अपवाह तंत्र | बंगाल की खाड़ी का

- **अपवाह तंत्र** किसी नदी एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को कहते हैं ।
- कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत भाग, जिसमें गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा आदि नदियाँ शामिल हैं । बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जित करती हैं,
- जबकि 23% भाग जिसमें सिन्धु, नर्मदा, तापी, माही व पेरियार नदियाँ शामिल हैं । अपना जल अरब सागर में गिराती हैं ।

हिमालयी अपवाह तंत्र

- उत्तरी भारत की नदियाँ अपरदन से प्राप्त मिट्टी को बहाकर ले जाती हैं तथा मैदानी भागों में जल प्रवाह की गति मंद पड़ने पर मैदानों और समुद्रों में जमा कर देती हैं।
- इन्ही नदियों द्वारा लायी गई मिट्टी से उत्तर भारत के विशाल मैदान का निर्माण हुआ है।
- इंडो ब्रह्म नदी:- भू-वैज्ञानिक मानते हैं, कि मायोसीन कल्प में लगभग 2.4 करोड़ से 50 लाखों वर्ष पहले एक विशाल नदी थी । जिसे शिवालिक या इंडो - ब्रह्म नदी कहा गया हैं ।
- इंडो ब्रह्म नदी के तीन मुख्य अपवाह तंत्र -

1. पश्चिम में सिन्धु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ
2. मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ
3. पूर्व में ब्रह्मपुत्र का भाग व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

भारतीय नदी प्रणाली

1. सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु जल संधि 1960 में हुई थी ।
- तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलज का नियंत्रण भारत के पास है ।
- तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया है ।

1.व्यास, रावी, सतलुज — 80% पानी भारत, 20% पानी पाकिस्तान

2.सिन्धु, झेलम, चिनाब — 80% पानी पाकिस्तान, 20% पानी भारत

सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km हैं ।
- भारत में सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं।
- सिन्धु नदी की कुल लम्बाई 2,880 किमी. हैं।
- भारत में सिन्धु नदी की लम्बाई केवल 1,114 km हैं ।
- भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी नदी हैं।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है, जो 4,164 मीटर ऊँचाई पर स्थित हैं । तिब्बत में इसे शेर मुख कहते हैं ।

- **सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं ।**
- अन्य सहायक नदियाँ – जास्कर, स्यांग, शिगार, गिलगिट, श्योक, हुंजा, कुर्रम, जुबरा, गास्टिंग व द्रास, गोमल ।
- सिन्धु नदी, कराची (पाकिस्तान) के निकट अरब सागर में जाकर गिरती है ।
- यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं । जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है ।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं ।
- पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया है ।
- सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत का पठार हैं ।
- तिब्बत के पठार से निकलने वाली अन्य नदियाँ - यांग्त्सी-क्यांग, जियांग, ह्वांगहो (पीली नदी, पीत), इरावदी, मेकांग एवं सतलज ।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर सरचू के उच्च अक्षांशीय पठारी भाग से होता है ।
- यह नदी जास्कर श्रेणी में गहरे गॉर्ज का निर्माण करती है तथा कठोर चट्टानी भागो से होकर बहती हैं ।
- यह पहले उत्तर फिर पूर्व की ओर बहते हुए नेमू के निकट सिन्धु नदी से मिल जाती हैं ।

सतलज नदी -

- यह एक पूर्ववर्ती नदी हैं ।
- यह तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर झील के निकट राक्षस ताल झील से निकलती हैं ।
- वहाँ इसे लाँगचेन खंबाब के नाम से जाना जाता हैं ।
- सतलज नदी का संगम स्थल कपूरथला के द.- प. सिरे पर व्यास नदी में तथा मिठानकोट के निकट सिन्धु नदी में है।
- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंडो - तिब्बत सीमा के समीप शिपकी ला दर्रे के पास भारत में प्रवेश करने से

पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती हैं ।

- सतलज नदी की सहायक नदियाँ है -सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और जास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं ।
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं । यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती हैं ।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है ।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड़ से निकलती है ।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है ।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड़ का निर्माण करती है ।
- यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है ।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ है ।

रावी नदी (परूष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- जो हिमालय की कुल्लु की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती हैं तथा चंबा घाटी से होकर बहती हैं ।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती हैं ।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती हैं ।

चिनाब नदी (अस्किनी)

- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है ।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्रे के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है ।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती हैं ।
- इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है ।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी हैं ।
- यह त्रिमू के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है ।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है ।
- जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती हैं।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती है ।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है ।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

- गंगा नदी का उदगम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) हैं।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है ।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है ।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती है।

स्थान	नदी संगम
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रुद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती हैं।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती है। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पद्मा के नाम से जानी जाने लगती हैं ।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है।
- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ है -** यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

यमुना नदी -

- इस नदी का उद्गम उत्तराखंड में बद्रपूंछ श्रेणी की पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमनद से हुआ है।
- यमुना नदी गंगा की सबसे पश्चिमी व सबसे लम्बी नदी है जो गंगा से इलाहाबाद में आकर मिलती है।
- प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल सिंध, बेतवा केन इसके दाहिने तट पर मिलने वाली सहायक नदियाँ हैं इसके

बाएँ तट पर हिंडन रिंद सेंगर वरुणा आदि नदियाँ मिलती हैं।

चम्बल नदी -मध्यप्रदेश के मालवा पठार में महू के निकट निकलती है तथा राजस्थान के कोटा में बहते हुए उत्तरप्रदेश में यमुना से आकर मिलती है यह अपनी 'उत्खात् भूमि' (Badlond Topography) के लिए प्रसिद्ध है।

रामगंगा नदी- उत्तराखण्ड में गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से निकलती है तथा कन्नौज उत्तरप्रदेश में गंगा से आकर मिल जाती है ।

गोमती नदी- पीलीभीत जिले से निकलती है तथा गाजीपुर में गंगा नदी से मिलती है। लखनऊ व जौनपुर इसी के किनारे बसे हैं ।

घाघरा नदी- तिब्बत के पठार में स्थित' मापचाचुंगो हिमनद से निकलती है तथा बाराबंकी जिला में शारदा नदी (काली गंगा) इससे आकर मिलती है। और अन्ततः यह छपरा (बिहार) में गंगा से मिलती है

सोन नदी- यह मध्यप्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलती है तथा पटना से पहले गंगा के दायीं तट से इससे मिल जाती है ।

गंडक नदी – नेपाल (धौलागिरि व माउंट एवरेस्ट) से इसका उद्गम होता है तथा यह अन्ततः सोनपुर (बिहार) में गंगा से मिल जाती है ।

- इसकी सहायक नदियाँ हैं –काली गंडक, त्रिशूली गंगा ।
- बिहार में निर्मित त्रिवेणी नहर में गंडक नदी से पानी आता है ।

कोसी नदी - इसका स्त्रोत तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में है जहाँ से इसकी मुख्य धारा अरुण निकलती है। कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।

- इसका संगम स्थल भागलपुर जनपद में काढ़ागोला के दक्षिण-पश्चिम में गंगा नदी में है ।
- इसकी सहायक नदियाँ हैं – सनकोसी, तामू कोसी, लिक्षु कोसी, तलखु, दूध कोसी, अरुण, तामुर कोसी ।

ब्रह्मपुत्र नदी - ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम हिमालय के उत्तर में स्थित मानसरोवर झील के निकट चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है।

- तिब्बत में ब्रह्मपुत्र को सांगपो (Tsangpo) के नाम से जाना जाता है। नामचा बरवा के निकट हिमालय को काटकर तथा "U" टर्न बनाते हुए गहरे गार्ज (महाखंड) का निर्माण करती है और दिहांग के नाम से भारत में प्रवेश करती है। कुछ दूर तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहने के बाद इसकी दो प्रमुख सहायक नदियाँ दिवांग और लोहित इसके बाएँ किनारे पर आकर मिलती है। इसके बाद इस नदी को ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है।
- इसकी अन्य सहायक नदियाँ धनसरी, सुबनसिरी, मानस, कामेग व संकोश, पगलादिया आदि हैं।
- ब्रह्मपुत्र नदी की कुल लम्बाई 2900 किमी है, जिसमें 916 किमी. भारत में बहती है।
- असम के धुबरी के निकट ब्रह्मपुत्र दक्षिण दिशा में बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती है। बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र को जमुना के नाम से जाना जाता है।
- जमुना में दाहिनी ओर से तिस्ता नदी आकर मिलती है। जमुना आगे जाकर पद्मा में मिल जाती है तथा पद्मा मेघना से मिलने के बाद, मेघना नाम से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। असम घाटी में ब्रह्मपुत्र नदी गुंफित जल मार्ग बनाती है, जिसमें माजुली जैसे कुछ बड़े नदी द्वीप भी मिलते हैं।
- हिमालयी नदी तंत्र की तुलना में प्रायद्वीप नदी तंत्र अधिक पुराना है ।
- पश्चिमी घाट बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों व अरब सागर में गिरने वाली नदियों के बीच जल विभाजक का कार्य करती है ।
- प्रायद्वीपीय भारत की नदियों की प्रौढ़वस्था व नदी घाटियों का चौड़ा व उथला होना इसके प्राचीन होने का प्रमाण है।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ पश्चिम से पूर्व दिशा में बहती है ।
- नर्मदा एवं ताप्ती इनके विपरीत बहती है ।
- हिमालय के उत्थान के साथ नर्मदा व ताप्ती नदियों का भ्रंश घाटियों का निर्माण हुआ है ।

प्रायद्वीपीय भारत की प्रमुख नदियाँ

1. महानदी
2. गोदावरी
3. कृष्णा
4. कावेरी
5. नर्मदा
6. ताप्ती

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

महानदी –

- इसकी कुल लम्बाई लगभग 851 किलोमीटर है
- यह छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में सिहावा के पास से निकलती है ।
- ओड़िशा में बहते हुए बंगाल की खाड़ी मे गिरती है
- महानदी की द्रोणी का अपवाह महाराष्ट्र छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में है ।
- शिवनाथ मांड और ईब बाएँ तट से तथा केन दाएँ तट से मिलने वाली महानदी की प्रमुख सहायक नदी है ।

गोदावरी नदी –

- यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी नदी (1465 किलोमीटर) है
- इसका अपवाह तंत्र प्रायद्वीपीय नदियों की तुलना में सबसे बड़ा है ।
- गोदावरी नदी नासिक महाराष्ट्र से निकलती है ।
- तेलंगाना व आंध्र मे बहते हुए राजमुंदरी के पास कई धाराओं में विभक्त होकर डेल्टा का निर्माण करती है।
- इसे दक्षिण गंगा तथा वृद्ध गंगा के नाम से जाना जाता है।
- इसकी द्रोणी का अपवाह महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश व मध्यप्रदेश में है

विश्व भूगोल

- **ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल**

- ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।
- महाविस्फोट सिद्धांत (big-bang theory) ब्रह्मांड की उत्पत्ति से संबंधित है ।
- ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।
- तारा बनने से पहले विरल गैंस का गोला होता है।
- जब ये विरल गैंस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।
- जब इन नेबुला में सलंयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती हैं तो वह तारों का रूप ले लेता है।
- तारों में हाइड्रोजन का सलंयन हिलियम में होता रहता है । तारों में इंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।
- तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है ।
- लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
- सफेद रंग - मध्यम ताप
- नीला रंग - उच्च ताप

  तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।
- जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।
- यदि लाल दानों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह, उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं ।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है ।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।
- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

सूर्य की बाहरी परत - सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं-

1. **प्रकाश मंडल** - यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।
2. **वरुण मंडल** - यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।
3. **(corona)** - यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 27lac डिग्री सेल्सियस होता है।

- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलीयम है ।
- शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है ।
- सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है ।
- सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है ।
- सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है ।
- सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
- सूर्य से प्रति सेकंड 10^{26} जूल ऊर्जा निकलती है ।
- सूर्य पश्चिम से पूर्व घूर्णन करता है।
- सूर्य का विषुवत रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।
- सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में घूर्णन कर लेता है ।

ग्रह - वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास ना अपनी ऊष्मा हो और ना ही अपना प्रकाश हो वह ऊष्मा तथा प्रकाश के लिए अपने निकटतम तारे पर आश्रित हो।तथा उसी का चक्कर लगाता हो प्रारंभ मे ग्रहों कि संख्या 9 थी परंतु वर्तमान में 8 ग्रह हैं ग्रहों को 2 श्रंणियों में बांटते हैं ।

पार्थिव - इन्हें आंतरिक ग्रह भी कहते हैं ।

- यह पृथ्वी से समानता रखते हैं ।
- इनका घनत्व अधिक होता है तथा यह ठोस अवस्था में होते हैं ।
- इनके उपग्रह कम होते हैं या होते ही नहीं है इन ग्रहों की संख्या चार होती है।

a. बुध
b. शुक्र
c. पृथ्वी
d. मंगल

जोवियन ग्रह - इसे बाह्य ग्रह कहते हैं। यह बृहस्पति से समानता रखते हैं ।इनका आकार बड़ा होता है किन्तु घनत्व कम होता है, यह गैस की अवस्था में पाए जाते हैं।
इनके उपग्रहों की संख्या अधिक है।

प्लूटो - यह नौवां ग्रह था । किन्तु 24 अगस्त 2006 को चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में अंतरराष्ट्रीय खगोल खंड की बैठक हुई जिसमें प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालकर बोना ग्रह में डाल दिया ।

- प्लूटो को ग्रह की श्रेणी से निकालने के तीन कारण थे

1. इसका आकार अत्यधिक छोटा था
2. इसकी कक्षा दीर्घ वर्तीय नहीं थी

भोर तथा सांझ का तारा

- भोर तथा सांझ में प्रकाश काम रहता है । इसी कारण सूर्य से जब प्रकाश आता है तो बुध तथा शुक्र से टकराकर परिवर्तित होता है ।
- इस परिवर्तित प्रकाश के कारण बुध तथा शुक्र चमकीले दिखते हैं जिससे शुक्र निकट होने के कारण अधिक चमकीला दिखता है ।
- बुध एवं शुक्र दोनों को भोर तथा सांझ का तारा कहते हैं ।

मंगल

- इस पर Tron ऑक्साइड की अधिकता है । जिस कारण यह लाल दिखता है
- यह 25 डिग्री पर झुका हुआ है । जिस कारण इस पर पृथ्वी के समान ऋतु परिवर्तन देकर जाते हैं ।
- इस ग्रह पर जीवन की संभावना सर्वाधिक है ।
- इस ग्रह पर पूरे सौरमंडल का सबसे ऊंचा पर्वत मिक्स ओलंपिया है जिसकी ऊंचाई 30000 किलोमीटर है जो माउंट एवरेस्ट के 3 गुना से भी अधिक ऊंचा है ।

बृहस्पति

- यह सबसे बड़ा ग्रह है, किन्तु यह गैसीय अवस्था में है ।
- इस पर सल्फर डाइऑक्साइड की अधिकता है जिस कारण यह हल्का पीला दिखता है।
- यह एकमात्र ग्रह है जो हिमरहित है।
- यह अपने अक्ष पर सबसे तेज घूर्णन करता है । जो लगभग 9:30 घंटे में पूरा कर लेता है।
- बृहस्पति के 73 उपग्रहों में से केवल 16 उपग्रहों को ही मान्यता प्राप्त है।
- इसका सबसे बड़ा उपग्रह गेनीमेड है।
- बृहस्पति के अत्यधिक विशालता के कारण इसे तारा सदृश्य ग्रह कहते हैं।

शनि ग्रह

- यह सबसे कम घनत्व वाला ग्रह है ।
- इसका घनत्व .7gm/cm^3 है ।
- कम घनत्व के कारण यह ह पानी में नहीं डूबेगा इस ग्रह के चारों ओर 7 छल्ले हैं ।
- जिन्हें ए,बी,सी, डी, ई,एफ,जी कहते हैं ।यह वलय इसी ग्रह का टुकड़ा है जो शनि के गुरुत्वाकर्षण के कारण इसी के समीप रहता है
- इन छल्लों के कारण ही शनि को आकाशगंगा सदृश ग्रह कहते हैं ।
- शनि के 62 उपग्रह में से 21 उपग्रहों को मान्यता प्राप्त है
- अतः सर्वाधिक उपग्रह वाला ग्रह की संख्या में शनि का स्थान प्रथम हो जाता है ।

अरुण

- इसे अक्ष पर अत्यधिक झुकाव के कारण लेटा हुआ ग्रह कहते हैं ।
- द्वितीय लेटा हुआ ग्रह शुक्र को कहते हैं ।
- इसे आधुनिक ग्रह भी कहते हैं ।
- इस पर मीथेन की अधिकता के कारण यह हल्का हरा दिखता है ।
- यह अपने अक्ष पर उल्टा घूर्णन करता है ।
- जिस कारण वहां सूर्योदय पश्चिम से होता है ।
- इस ग्रह के भी बाहर **पांच** वलय घूमते हैं
- इसके 15 उपग्रह हैं जिनमें **ट्रिटेनिया** सबसे बड़ा है।

वरुण – यह सबसे दूरी पर स्थित ग्रह है ।

- यह सूर्य का परिभ्रमण लगभग 164 वर्ष में पूरा करता है ।
- इस पर भी मिथेन की अधिकता है। जिससे यह नीला दिखता है ।
- इसलिए इसे अरुण का भाई भी कहते हैं इसके 8 उपग्रह हैं जिसमें ट्रिटॉन सबसे प्रमुख है।
- ग्रह द्वारा सूर्य का चक्कर लगाना परिक्रमण कहलाता है परिक्रमण के कारण ही वर्ष की घटना होती है ।
- अपने ही अक्ष पर चक्कर लगाना घूर्णन कहलाता है दिन और रात की घटनाएं घूर्णन के कारण होती है ।

	परिक्रमण	**परिभ्रमण**
बुध	88 दिन	59 घंटा
शुक्र	224 दिन	243 घंटा
पृथ्वी	365 दिन	24 घंटा
मंगल	687 Day	25 घंटा
बृहस्पति	12 year	9.5 घंटा
सनी	29 year	10 घंटा
अरुण	84 year	18 घंटा
वरुण	165 year	18 घंटा

ग्रहों के रंग

1. बुध - Grey
2. शुक्र - yellow
3. पृथ्वी - Blue
4. मंगल - Radish Brown
5. बृहस्पति – Orange + White
6. Sani - Gold
7. अरुण - Blue + Brown
8. Varun – Blue

दूसरे ग्रहों पर भेजे गए कृतिम उपग्रह

1. सूर्य - पारकर, पाइनियर, आदित्य
2. बुध - मेरीनर, मेसेंजर
3. शुक्र - वेनेश, मेग्लन
4. पृथ्वी - स्तूपनिक
5. मंगल - fobos,curiosity rover

6. बृहस्पति - गैलीलियो
7. शुद्र ग्रह - Grespa, Eros

➢ मानव द्वारा भेजा गया पहला उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में गया । जो स्तूपनिक था ,जबकि किसी अन्य ग्रह पर भेजा गया, पहला उपग्रह विनेश था । जिसे शुक्र पर भेजा गया था या ठोस अवस्था में रहते हैं ।

शुद्र ग्रह - यह मंगल तथा बृहस्पति की कक्षा में घूमते हैं। यह ग्रहों के टूटे हुए भाग हैं । किन्तु मंगल तथा बृहस्पति के गुरुत्वाकर्षण के कारण यह इन दोनों ग्रहों के बीच में फस जाते हैं ।

उल्का - शुद्र ग्रह को मंगल गुरुत्वाकर्षण के कारण खींच लेता है और स्वयं आगे बढ़ जाता है। यह है शुद्र ग्रह, पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर जाता है। वायुमंडल में घर्षण के कारण यह जलने लगते हैं ।

- जिसे टूटता तारा या तारे जमीन पर कहा जाता है । जब यह उल्का पृथ्वी पर गिर जाते हैं तब इन्हें उल्कापिंड कहा जाता है ।
- उल्कापिंड के कारण गड्ढे का निर्माण हो जाता है । जिसे क्रेटर कहते हैं उदाहरण- लोनार झील, दक्षिण अफ्रीका का नटाल,यूएसए काका एरीजोना ।
- इजिप्ट नामक उल्का पिंड के गिरने से ही डायनासोर की मृत्यु हो गई और वहां प्रशांत महासागर का निर्माण हो गया।
- उल्कापिंड के घूर्णन के दिशा में गिरते हैं जिस कारण इनकी गति 72 किलो मीटर ।सेकंड होती है ।

Bolite(बोलाइट)

- जब उल्कापिंड पृथ्वी के घूर्णन के दिशा के विपरीत गिरता है तब उसे बोलाइट कहते हैं । यह अधिक चमकीला दिखता है । इसकी गति ।2 किलोमीटरासेकंड होती है । जब यह पृथ्वी पर गिरता है तो उसे टेक्टाइट कहते हैं ।

उल्का पिंड के प्रभाव

1. जब यह वायुमंडल में प्रवेश करते हैं तो घषर्ण के कारण इनका चूर्ण बन जाता है । जिस कारण लाल वर्षा होती है।
2. जब यह वायुमंडल में प्रवेश करते हैं तो जलने लगते हैं जिस कारण तापमान बढ़ जाता है और ग्लोबल वार्मिंग होती है ।
3. इनके गिरने से पृथ्वी का द्रव्यमान बढ़ जाता है । जिस कारण गुरुत्वाकर्षण बढ़ जाता है।
4. इनके गिरने से पृथ्वी की घूर्णन गति कम होती है 900 मिलियन वर्ष पूर्व पृथ्वी ।8 घंटे में घूर्णन कर लेती थी। अर्थात दिन की अवधि ।8 घंटे थी
5. 41000 वर्ष पूर्व पृथ्वी 21 डिग्री झुकी हुई थी जो वर्तमान में 24 डिग्री झुकी हुई है जिसे हम 23.5 डिग्री पर गणना करते हैं ।

धूमकेतु

➢ यह धूल के कण के बने होते हैं तथा सूर्य का चक्कर लगाते हैं । जब यह सूर्य के समीप जाते हैं तो तापमान पा कर जलने या चमकने लगते हैं । इनका पूछ सदैव सूर्य के विपरीत दिशा में होता है ।
➢ पुच्छल तारा की खोज टाइको को ने की थी ।
➢ पुच्छल तारा भी सूर्य का चक्कर लगाते हैं किन्तु यह किसी दूसरे ग्रह की कक्षा को नहीं काटते । क्योंकि इनकी कक्षा और अन्य ग्रह की कक्षा ऊपर नीचे होती है ।
➢ शेकी नामक पुच्छल तारा दिन में दिखता है।
➢ एर्की नामक पुच्छल तारा 3 साल में दिखता है।
➢ काहुतेक नामक पुच्छल तारा 7600 वर्षों में दिखता है।
➢ हेली नामक पुच्छल तारा 76 वर्ष में दिखता है । यह है 3 फरवरी 2062 में दिखेगा जबकि इससे पहले यह 9 फरवरी ।986 में दिखा ।
➢ टॉलमी ने बताया कि सूर्य पृथ्वी का चक्कर लगाता है।
➢ कॉपरनिकस ने सौरमंडल की खोज की और बताया कि पृथ्वी तथा अन्य ग्रह सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

- केपलर ने ग्रहों की गति का सिद्धांत दिया।और कहा कि गृह दीर्घ वृत्त पर घूमते हैं और जब सूर्य के करीब आते हैं तो इनकी चाल बढ़ जाती है।
- गैलीलियो ने दूरदर्शी बनाकर इन सिद्धांतों को सिद्ध कर दिया ।
- habbal नामक दूरबीन से ब्रह्मांड के विस्तारित होने का पता चलता है।
- **पृथ्वी**

➢ दूरी से सूर्य के प्रकाश को आने में लगभग 8 मिनट ।6 सेकंड लगते हैं। जबकि चंद्रमा से प्रकाश को आने में सवा । सेकंड लगता है।

चंद्रमा को पृथ्वी का जीव आश्रम कहा जाता है। चंद्रमा को रात की रानी कहते हैं। चंद्रमा का अध्ययन सेलेनोलॉजी कहलाता है।

➢ चंद्रमा पर वायुमंडल ना होने के कारण वहां तापांतर अधिक होता है और दिन का तापमान ।00 डिग्री सेल्सियस तथा रात का तापमान -।80 डिग्री सेल्सियस हो जाता है।
➢ वायुमंडल के अभाव के कारण ही चंद्रमा पर अत्यधिक उल्कापिंड गिरे हैं । जिससे कि चंद्रमा पर बहुत बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं। इन क्रेटर में सूर्य का प्रकाश नहीं जाता है । जिस कारण वह भाग पृथ्वी से देखने पर ध्ब्बा के समान दिखता है।
➢ वायुमंडल के अभाव में ही चंद्रमा पर ध्वनि तो उत्पन्न होगी किन्तु सुनाई नहीं देगी साथ ही आकाश भी काला दिखेगा।
➢ चंद्रमा तथा पृथ्वी के बीच की औसत दूरी 384000 किलोमीटर है यहां से प्रकाश को आने में सवा । सेकंड लगता है।
➢ जब चंद्रमा की दूरी पृथ्वी से अधिकतम हो जाती है तो उसे अपभू कहते हैं।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना		12 सितम्बर 2019
अटल भू-जल योजना		25 दिसम्बर 2019
प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना		25 मार्च 2019
स्वामित्व योजना		24 अप्रैल 2020
आत्मनिर्भर भारत योजना		12 मई 2020
वन नेशन वन राशन कार्ड योजना		1 जून 2020
पीएम स्वनिधि योजना		18 जून 2020
गरीब कल्याण रोजगार योजना		20 जून 2020
नई शिक्षा नीति 2020		30 जुलाई 2020
नेशनल डिजिटल हेल्थस मिशन		15 अगस्त 2020
प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना		10 सितम्बर 2020
कपिला कलाम कार्यक्रम		15 अक्टूबर 2020
आयुष्मान सहकर योजना		19 अक्टूबर 2020
आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना		12 अक्टूबर 2020
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना		24 नवम्बर 2020
PM-वाणी योजना		9 दिसम्बर 2020
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0		15 जनवरी 2021
ग्राम उजाला योजना		19 मार्च 2021
जल शक्ति अभियान: कैच द रेन		22 मार्च 2021
युवा-PM योजना		29 मई 2021
SAGE कार्यक्रम		4 जून 2021
जान हैं तो जहान हैं अभियान		21 जून 2021

विविध

महत्वपूर्ण दिवस

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस	
जनवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
विश्व युद्ध अनाथ दिवस	6 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य-तिथि	11 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
NDRF स्थापना दिवस	19 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
पराक्रम दिवस	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मृति दिवस	27 जनवरी
लाला लाजपत राय जयंती	28 जनवरी
विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस	30 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
भारतीय तटरक्षक दिवस	1 फरवरी
विश्व आद्रभूमि दिवस	1 फरवरी
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मानव भ्रातृत्व दिवस	4 फरवरी
International day of Zero tolerance for female genital mutilation	6 फरवरी

106.	हेड्स एण्ड टेल्स	मेनका गाँधी
107.	आई फालो द महात्मा	के.एम.मुंशी
108.	सर्कल ऑफ रिजन	अमिताभ घोष
109.	शैंडो लाइन्स	अमिताभ घोष
110.	आवर फिल्म्स	सत्यजीत रे
111.	देयर फिल्म्स	सत्यजीत रे
112.	द ग्रेट इंडियन नॉवल	शशि थरूर
113.	सिंगल वूमन	तारा पटेल
114.	द गोल्डन गेट्स	विक्रम सेठ
115.	द इन्साइडर	पी.वी.नरसिम्हा राव
116.	साकेत, व यशोधरा	मैथिलीशरण गुप्त
117.	देवदास	शरत चन्द्र चटर्जी
118.	रंगभूमि, कफन, गोदान, निर्मला	मुंशी प्रेमचन्द
119.	स्वर्णलता, प्रथम प्रतिभूति	आशापूर्णा देवी
120.	यामा	महादेवी वर्मा
121.	चित्रा, गीतांजली, गोरा, द होम एण्ड द वर्ल्ड, काबुलीवाला	रवीन्द्रनाथ टैगोर
122.	रश्मिरथी, संस्कृति के चार अध्याय, कुरुक्षेत्र, उर्वशी	रामधारी सिंह दिनकर
123.	सत्यार्थ प्रकाश	स्वामी दयानन्द
124.	देवी चौधरानी, आनंद मठ	बक्किम चन्द्र चट्टोपाध्याय
125.	माय म्यूजिक माय लाइफ	रवि शंकर
126.	टू द लास्ट बुलेट	विनीता कॉम्टे
127.	सींग लाइक ए फेमिनिस्ट	निवेदिता मेनन
128.	कोरा कागज, द रेवेन्यू स्टैम्प, डेथ ऑफ ए सिटी, कागज की केनवास	अमृता प्रीतम
129.	रिटर्न टू इण्डिया	शोभा नारायण
130.	माई कंट्री माई लाइफ	लालकृष्ण आडवाणी
131.	आई फॉर्लो द महात्मा	के एम मुंशी

साहित्य अकादमी पुरस्कार

पुस्तकें	लेखक	वर्ष
हजार चौरासी की माँ	महाश्वेता देवी	1996
इन्हीं हथियारों से	अमरकान्त	2007
कोहरे में कैद रंग	गोविन्द मिश्रा	2008
मोहनदास	उदय प्रकाश	2010
मिजुलमन	मृदुलागर्ग	2013
हवा में हस्ताक्षर	कैलाश वाजपेयी	2009
रेहान पर एघु	काशीनाथ सिंह	2011
विनायक	डॉ.रमेशचन्द्र शाह	2014
पत्थर फेंक रहा हूँ	चन्द्रकान्त देवताले	2012

सरस्वती सम्मान

पुस्तकें	लेखक	वर्ष
कायाकल्प	लक्ष्मीनन्दन बोरा	2008
लफ्जों की दरगाह	सुरजीत पातार	2009
सुगाया कुमारी	मनालेनुथु	2012
फूल पौधों पर	गोविन्द मिश्रा	2013
इरामा कथाइयुम इरामा याकालु	ए ए मानावलन	2011
रामायण महान्वेषणम	एम.वीरप्पा मोइली	2014
मन्दरा	एस एल भयरप्पा	2010

भारत में विभिन पुरस्कार एवं सम्मानित व्यक्ति

भारत रत्न

- भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जिसे कला, साहित्य, विज्ञान एवं सार्वजनिक सेवा या जीवन में असाधारण एवं अत्युत्तम कोटि की उपलब्धि हेतु दिया जाता है।
- जाति, स्थिति या लिंग के भेदभाव के बिना कोई भी व्यक्ति इस पुरस्कार के योग्य है।
- इस पुरस्कार की शुरूआत 2 जनवरी, 1954 में हुई थी।
- भारत रत्न देने की अनुशंसा स्वयं प्रधानमन्त्री द्वारा राष्ट्रपति को की जाती है ।

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति

सम्मानित व्यक्ति	वर्ष
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. चन्द्रशेखर वेंकट रमन	1954
डॉ. भगवान दास, डॉ. मोक्षागुण्डम विश्वेश्वरैया, 'पण्डित जवाहरलाल नेहरू	1955
'पण्डित गोविन्द बललभ पन्त	1957
डॉ.धोण्डो केशव कर्वे	1958
डॉ. विधान चन्द्र राय, पुरुषोत्तमदास ठंडन	1961
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	1962
डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ., पाण्डुरंग वामन काणे	1963
लाल बहादुर शास्त्री (मरणोपरांत)	1966
इन्दिरा गांधी	1971
वराहगिरि वेंकट गिरी	1975
कुमारास्वामी कामराज (मरणोपरांत)	1976
मदर मैरी टेरेसा बोजाक्सिऊ (मदर टेरेसा)	1980

दादरा तथा नगर हवेली	अभी तक नामित नहीं किया गया है।	अभी तक नामित नहीं किया गया है।
दमन एवं दीव	अभी तक नामित नहीं किया गया है।	अभी तक नामित नहीं किया गया है।
दिल्ली	नीलगाय	घरेलू गौरैया
जम्मू एवं कश्मीर	कश्मीरी हंगुल	अभी तक नामित नहीं किया गया है।
लद्दाख	घरेलू याक	काली गर्दन वाला सारस
लक्षद्वीप	आवारा तितली	सूती टर्न
पुडुचेरी	गिलहरी	एशियाई कोयल

भारत के राज्यों के राजकीय वृक्ष और फूलों की सूची-

राज्य	**वृक्ष**	**फूल**
आंध्र प्रदेश	नीम	चमेली
अरुणाचल प्रदेश	हॉलोंग	लेडी स्लिपर ऑर्किड
असम	हॉलोंग	द्रौपदी माला
बिहार	पीपल	कचनार
छत्तीसगढ़	शाल या साखू	लेडी स्लिपर ऑर्किड
गोवा	नारियल	लाल चमेली
गुजरात	बरगद	गेंदे का फूल
हरियाणा	पीपल	कमल
हिमाचल प्रदेश	देवदार	बुरांस
झारखण्ड	शाल या साखू	पलाश
कर्नाटक	चन्दन	कमल
केरल	नारियल	अमलतास
मध्य प्रदेश	बरगद	पलाश
महाराष्ट्र	आम	जरुल
मणिपुर	तूना	सिरोय कुमुदिनी
मेघालय	गम्हार	लेडी स्लिपर ऑर्किड
मिजोरम	अंजनी	लाल वांडा
नागालैण्ड	आल्डर वृक्ष	बुरांस
ओडिशा	गूलर	अशोक
पंजाब	शीशम	ग्लेडियोलस
राजस्थान	खेजड़ी	रोहेड़ा
सिक्किम	बुरांस	येस्म लेयी
तमिलनाडु	ताड़	करी हरी
तेलंगाना	खेजड़ी	रानवारा
त्रिपुरा	अगरवुड	नाग केसर
उत्तराखंड	अशोक	ब्रह्म कमल
उत्तर प्रदेश	बुरांस	पलाश
पश्चिम बंगाल	चितौन	शेफाली
अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	अंडमान रेडवुड	अंडमान पाइनामा
चण्डीगढ़	आम	पलाश
दादरा तथा नगर हवेली	अभी तक नामित नहीं किया गया है	अभी तक नामित नहीं किया गया है
दमन एवं दीव	अभी तक नामित नहीं किया गया है	अभी तक नामित नहीं किया गया है
दिल्ली	गुलमोहर	अल्फाल्फा
जम्मू एवं कश्मीर	चिनार	रोडोडेंड्रोन
लद्दाख	अभी तक नामित नहीं किया गया है।	अभी तक नामित नहीं किया गया है
लक्षद्वीप	नागदामिनी	नेलाकुरिन्जी
पुडुचेरी	बिल्व	नागकेसर

- ***भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य***

➢ ***सुंदरबन नेशनल पार्क, पश्चिम बंगाल :-*** पश्चिम बंगाल में सुंदरवन एक घना मैंग्रोव जंगल है जो घूमने के लिए एक अनोखी और शानदार जगह है। इसमें 54 द्वीप शामिल हैं और पास के देश, बांग्लादेश तक फैले हुए हैं।

➢ ***बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्यप्रदेश :-*** यह मध्य प्रदेश में स्थित है, और अपने प्राकृतिक परिवेश के लिए सबसे अच्छा है और भारत में किसी भी अन्य पार्क की तुलना में बाघों की सबसे अधिक आबादी है।

➢ ***कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्यप्रदेश :-*** मध्य प्रदेश राज्य में स्थित, कान्हा नेशनल पार्क खूबसूरत झीलों, चलने वाली नदियों और विस्तृत घास के मैदानों के साथ बांस के जंगलों का एक घना और समृद्ध क्षेत्र है।

➢ ***रणथम्भौर नेशनल पार्क, राजस्थान*** अरावली पहाड़ी श्रृंखलाओं और विंध्यन पठार के बीच जंक्शन पर पूर्वी राजस्थान में स्थित है।

➢ ***जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क,*** भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान 1936 में स्थापित किया गया था।

- ***असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान*** *अपने राइनो के लिए बेहद प्रसिद्ध है।*
- ***जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, उत्तराखंड :-*** *बाघों के लिए भारत के पहले और प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक, जिम कॉर्बेट उत्तराखंड में स्थित है।*

भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य की सूची (national park and wildlife sanctuary in india)

राजस्थान

- *केवला देवी नेशनल पार्क (साइबेरियन क्रेन नामक प्रवासी पक्षी का आश्रय स्थल)*
- *रणथम्भोर नेशनल पार्क*
- *सरिस्का नेशनल पार्क*
- *मरुस्थलीय नेशनल पार्क*
- *मुकिंद्रा हिल्स नेशनल पार्क*
- *घना पक्षी नेशनल पार्क*
- *माउंट आबू Wildlife Sanctuary*

मध्य प्रदेश

- *संजय नेशनल पार्क*
- *माधव नेशनल पार्क*
- *पालपुर कुनो नेशनल पार्क*
- *मण्डला फॉसिल नेशनल पार्क*
- *रातापानी Sanctuary*
- *राष्ट्रीय चंबल Sanctuary*
- *कान्हा नेशनल पार्क*
- *पेंच नेशनल पार्क*
- *पन्ना नेशनल पार्क (यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल)*
- *सतपुड़ा नेशनल पार्क*
- *वन विहार नेशनल पार्क*
- *बांधवगढ नेशनल पार्क (सफेद बाघों के लिए प्रसिद्ध है)*

Note –

- *गुजरात के गिर नेशनल पार्क से कुछ एशियाई शेरों को मध्यप्रदेश के पालपुर कूनो अभ्यारण में बसाने को सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकृति दे दी है।*
- *सबसे ज्यादा राष्ट्रीय पार्क मध्यप्रदेश में हैं।*

अरुणाचल प्रदेश

- *नामदफा नेशनल पार्क*
- *पखुई Sanctuary*

हरियाणा

- *सुलतानपुर नेशनल पार्क*
- *कलेशर नेशनल पार्क*

उत्तर प्रदेश

- *दुधवा नेशनल पार्क*
- *चन्द्रप्रभा वन्यजीव विहार*

झारखंड

- *बेतला नेशनल पार्क*
- *हजारीबाग Sanctuary*
- *धीमा नेशनल पार्क*

मणिपुर

- *केबुल – लामजाओ नेशनल पार्क (विश्व का एकमात्र तैरता राष्ट्रीय पार्क)*
- *सिरोही नेशनल पार्क*

सिक्किम

- *कंचनजंगा नेशनल पार्क*

त्रिपुरा

- *क्लाउडेड लेपर्ड नेशनल पार्क*

तमिलनाडु

- *मुकुर्थी नेशनल पार्क*
- *गुंडी नेशनल पार्क*
- *नेल्लई Sanctuary*
- *इन्दिरा गांधी (अन्नामलाई) नेशनल पार्क*
- *मुदुमलाई नेशनल पार्क*
- *प्लानी हिल्स नेशनल पार्क*
- *प्वाइंट कैलीमर Sanctuary*
- *गल्फ आफ मनार नेशनल पार्क*

ओडिसा

- *नन्दनकानन राष्ट्रीय चिड़ीयाघर*
- *चिल्का झील Sanctuary*
- *भीतरकनिका नेशनल पार्क*
- *सिंमली पाल नेशनल पार्क*

मिजोरम

- *मुरलेन नेशनल पार्क*
- *फ़वंगपुई नेशनल पार्क*
- *डाम्फा Sanctuary*

जम्मू-कश्मीर

- *सलीम अली नेशनल पार्क*
- *किस्तवार नेशनल पार्क*
- *हैमिश हाई नेशनल पार्क (भारत का सबसे बडा नेशनल पार्क)*
- *दाचीग्राम नेशनल पार्क (एकमात्र नेशनल पार्क जहां कश्मीरी महामृग – हंगुल पाए जाते हैं)*

पश्चिम बंगाल

- *सुन्दरवन नेशनल पार्क*
- *गोरुमारा नेशनल पार्क*
- *बुक्सा नेशनल पार्क*
- *जलदापारा नेशनल पार्क*
- *सिंगलीला नेशनल पार्क*
- *नेओरा वैली नेशनल पार्क*

असम

- *मानस नेशनल पार्क (एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध)*
- *काजीरंगा नेशनल पार्क (एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध)*
- *नामेरी नेशनल पार्क*
- *राजीव गांधी ओरांग नेशनल पार्क*
- *डिब्रूगढ़ साइखोवा नेशनल पार्क*

- प्रत्येक तीन वर्षो में सदस्य राष्ट्रों द्वारा भिन्न-भिन्न देशा में सम्मेलन किया जाता हैं।
- प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को आर्द्रभूमि दिवस 'International Conservation Day' के रूप में मनाया जाता हैं।
- भारत में आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन के लिए वर्ष 2012-13 में राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम लागू किया गया था। भारत में कुल 49 रामसर स्थल हैं।
- पश्चिम बंगाल में स्थित सुंदरबन आर्द्रभूमि क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा रामसर स्थल हैं।
- हिमाचल प्रदेश में स्थित रेणुका आर्द्रभूमि क्षेत्र भारत का सबसे छोटा रामसर स्थल हैं।

भारत में रामसर आर्द्रभूमियाँ

राज्य	आर्द्रभूमियाँ
जम्मू-कश्मीर	वुलर झील,होकेरा आर्द्रभूमि, सुरिनसर-मानेसर
लद्दाख	त्सो मोरोरी झील
हिमाचल प्रदेश	चंद्रताल, पोंगडैम झील, रेणुका
पंजाब	हरिके झील, कांजली झील, रोपण झील, व्यास कंजेर्वेसन रिजर्व
केरल	अष्टमुदी
राजस्थान	साभर झील, केवालादेव राष्ट्रीय उधान
ओडिशा	चिल्का झील, भीतरकर्णिका मेंग्रोव
आंध्रप्रदेश	कोलेरू झील
असम	दिपोर झील
तमिलनाडु	पॉइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य
त्रिपुरा	रुद्रसागर झील
मणिपुर	लोकटक झील
उत्तर प्रदेश	ऊपरी गंगा नदी तंत्र,नबाबगंज पंक्षी अभ्यारण्य, समाना पक्षी अभयारण्य, समसपुर पक्षी अभयारण्य, पार्वती पक्षी अभ्याराण, सांडी पक्षी अभ्यारण्य, सरसई नवार झील, सुर सरोवर
पश्चिम बंगाल	पूर्वी कोलकाता आद्रभूमि, सुंदरबन
मध्यप्रदेश	भोज आद्रभूमि
गुजरात	नल सरोवर पक्षी अभ्यारण्य
महाराष्ट्र	नंदुर मध्मेश्वर, लोनर झील
बिहार	काबरताल आद्रभूमि
उतराखंड	आसन कांजेर्वेशन रिजर्व

क्र. सं	राज्य का नाम	राजधानी	स्थापना दिवस
1	आंध्र प्रदेश	हैदराबाद (प्रस्तावित राजधानी अमरावती)	1 नवम्बर 1956
2	अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	20 फरवरी 1987
3	असम	दिसपुर	26 जनवरी 1950
4	बिहार	पटना	26 जनवरी 1950
5	छत्तीसगढ़	रायपुर	1 नवम्बर 2000
6	गोवा	पणजी	30 मई 1987
7	गुजरात	गांधीनगर	1 मई 1960
8	हरियाणा	चंडीगढ़	1 नवम्बर 1966
9	हिमाचल प्रदेश	शिमला	25 जनवरी 1971
10	झारखण्ड	रांची	15 नवम्बर 2000
11	कर्नाटक	बेंगलुरु (पहले बैंगलोर)	1 नवम्बर 1956
12	केरल	तिरुवनंतपुरम	1 नवम्बर 1956
13	मध्य प्रदेश	भोपाल	1 नवम्बर 1956
14	महाराष्ट्र	मुंबई	1 मई 1960
15	मणिपुर	इम्फाल	21 जनवरी 1972
16	मेघालय	शिलांग	21 जनवरी 1972
17	मिजोरम	अइज़ोल	20 फरवरी 1987
18	नागालैंड	कोहिमा	1 दिसम्बर 1963
19	ओडिशा	भुवनेश्वर	26 जनवरी 1950
20	पंजाब	चंडीगढ़	1 नवम्बर 1956
21	राजस्थान	जयपुर	1 नवम्बर 1956

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Dear Aspirants, here are the our results in differents exams (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNIc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjI4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

whatsapp https://wa.link/s9icq9 1 web.- https://bit.ly/group-d-notes

FREE SAMPLE

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
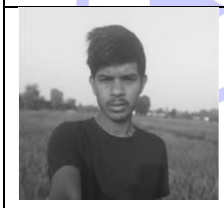	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
	Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379 Admit Card HARYANA PUBLIC SERVICE COMMISSION	Jind (Haryana)

And many others......

Click on the below link to purchase notes

WhatsApp करें - https://wa.link/s9icq9

Online Order करें - https://bit.ly/group-d-notes

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE